भारत–आसियान बहुपक्षीय व्यापार के राजनैतिक आयाम

डॉ. बैद्यनाथ राम

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली विश्व के समस्त देशों के उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करती है। इसमें एक विश्व बाजार विद्यमान रहता है, जिसमें स्वतंत्र प्रतियोगिता होती है। इससे वस्तुओं के मूल्य कम रहते हैं, जिससे उपभोक्ताओं का शोषण नहीं हो पाता। साथ ही, एक ही देश के उपभोक्ता अनेक देशों की वस्तुओं का उपभोग कर सकते हैं। इस प्रणाली में आर्थिक रूप से शक्तिशाली देश कमजोर देशों का शोषण नहीं कर सकते तथा बड़ी संख्या में देशों के बीच आर्थिक सहयोग में वृद्धि होती है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से पूर्ण लाभ उसी समय उठाया जा सकता है जब 'श्रम–विभाजन एवं विशिष्टीकरण' का पूर्ण प्रयोग किया जाय। यह प्रयोग तभी सम्भव है जब व्यापार पैमाने पर सापेक्षिक रूप से अधिक देशों के साथ व्यापार किया जाय। यह बहुपक्षीय व्यापार द्वारा ही सम्भव होता है।